

শ্রীঃ  
শ্রীমতে নিগমান্তমহাদেশিকায় নমঃ  
শ্রীমান্ বেক্টনাথার্যঃ করিতাকিঁককেসরী।  
বেদান্তাচার্যর্যো মে সন্নিধত্তাং সদা হৃদি॥

॥শ্রীমদনমোহনাষ্টকম্ ॥

*This document\* has been prepared by*

***Sunder Kidambi***

*with the blessings of*

শ্রী রঙ্গরামানুজ মহাদেশিকন্

**His Holiness *śrīmad āṇḍavan* of *śrīraṅgam***

---

\*This was typeset using Bengali for T<sub>E</sub>X.

श्रीः  
श्रीमते रामानुजाय नमः  
॥ श्रीमदनमोहनाष्टकम् ॥

जय शङ्खगदाधर नीलकलेरर पीतपटाश्वर देहि पदम्।  
जय चन्दनचर्चित कुण्डलमण्डित कौस्तुभशोभित देहि पदम् ॥ १ ॥

जय पङ्कजलोचन माररिमोहन पापरिखण्डन देहि पदम्।  
जय रेणुनिनादक रासरिहारक रक्किम सुन्दर देहि पदम् ॥ २ ॥

जय धीरधुरन्कर अदभूतसुन्दर दैरतसेरित देहि पदम्।  
जय विश्वरिमोहन मानसमोहन संस्थितिकारण देहि पदम् ॥ ३ ॥

जय भङ्गजनाश्रय नित्यसुखालय अन्तिमवाक्कर देहि पदम्।  
जय दुर्जनशासन केलिपरायण कालियमर्दन देहि पदम् ॥ ४ ॥

जय नित्यनिरामय दीनदयामय चिन्मय माधर देहि पदम्।  
जय पामरपारन धर्मपरायण दानरसूदन देहि पदम् ॥ ५ ॥

जय वेदरिदांरर गोपबधूप्रिय बन्दारनधन देहि पदम्।  
जय सत्यसनातन दुर्गतिभङ्गन सङ्जनरङ्गन देहि पदम् ॥ ६ ॥

जय सेरकरतसल करुणासागर बाङ्गितपूरक देहि पदम्।  
जय पूतधरातल देरपरातपर सङ्गुणकर देहि पदम् ॥ ७ ॥

जय गोकुलभूषण कंसनिषूदन सात्वतजीरन देहि पदम्।  
जय योगपरायण संसृतिरारण ब्रह्मनिरङ्गन देहि पदम् ॥ ८ ॥

॥ इति श्रीमदनमोहनाष्टकम् संपूर्णम् ॥